माधवदेव विश्वविद्यालय के दौरा कार्यक्रम में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का भाषण

दिनांक 28 सितंबर 2023, गुरुवार	समय : 6:00 PM	स्थान : आयुर्वेदिक कॉलेज, जालुकबाड़ी

- माधवदेव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. निरोद बरुवा जी,
- विश्वविद्यालय के कार्यकारिणी परिषद के सदस्य एवं बिहपुरिया के विधायक डॉ. अमिय कुमार भुइयां जी,
- लखीमपुर के जिला आयुक्त श्री सुमित सत्तावान जी,
- विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. शरत हजारिका जी,
- उपस्थित अन्य अतिथिगण,
- मेरे प्यारे विद्यार्थियों,
- मीडिया से हमारे मित्रों,

नमस्कार !

आज महापुरुष श्री श्री माधवदेव की जन्मस्थली नारायणपुर आकर मुझे असीम शांति का अनुभव हुआ। इस ऐतिहासिक स्थल में स्थापित माधवदेव विश्वविद्यालय में आप सबके बीच उपस्थित होकर बहुत प्रसन्ना हो रही है।

मुझे बताया गया है कि यह केवल महापुरुण श्री श्री माधवदेव जी का ही नहीं, बल्कि 12 अन्य साधू-संतों की भी जन्मस्थली है। यहां वैश्णव आंदोलन के महान संतों जैसे हरिदेव, अनिरुद्धदेव, बदाला पद्मा अट्टा, बंशीगोपालदेव, केशव चरण

अट्टा, पुरुषोत्तम अट्टा, गोविंद मिश्रा आदि ने भी जन्म लिया है। ऐसे पावन स्थान का दर्शन करना सौभाग्य और गर्व की बात है।

विश्वविद्यालय का नाम भी महापुरुष श्री श्री माधवदेव जी के नाम पर रखा हुआ है। निश्चय ही यह विश्वविद्यालय माधवदेव जी और उनके गुरु श्रीमंत शंकरदेव जी के आदर्शों का अनुशरण करते हुए शिक्षा का प्रकाश फैला रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों भी गुरु-शिष्य की मर्यादा का पालन करते हुए ज्ञान अर्जित कर रहे हैं।

मित्रों,

यह विश्वविद्यालय एक ऐसा विश्वास है, जिसकी कल्पना बेहतर इंसान बनाने के लिए की गई है। इसकी जड़ें मजबूत शिक्षाविदों और मूल्य-आधारित शिक्षा में निहित हैं, जो विद्यार्थियों को समाज और दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत बनाने में मदद करता है।

मुझे बताया गया है कि 2017 में माधवदेव कॉलेज को उन्नत कर इसे विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। उस समय लखीमपुर, धेमाजी आदि के लोग एक विश्वविद्यालय की मांग कर रहे थे। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही उनका लंबे समय से प्रतीक्षित सपना साकार हो गया।

एक विश्वविद्यालय को अपने छात्रों की शिक्षा के माध्यम से दुनिया पर दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव डालने का प्रयास करना चाहिए। मुझे विश्वास है कि इस विश्वविद्यालय में भी उसी शिक्षाशास्त्र का पालन किया जाता है। यह विश्वविद्यालय अग्रणी अनुसंधान पर जोर देने के साथ-साथ न्यायसंगत और समावेशी उच्च शिक्षा की सुविधा का दृढ़ता से पालन करता है। इसी दृष्टिकोण के साथ विश्वविद्यालय ज्ञान का प्रसार करने और सीखने को प्रोत्साहित करने और सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

मुझे प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और युवा पीढ़ी को कुशल और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है ताकि वे नए राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्षम हो सकें। पारंपरिक विषयों में शिक्षा प्रदान करने के अलावा, विश्वविद्यालय नवीन विषयों पर काम कर रहा है, जिनमें नए अवसरों के द्वार खोलने की क्षमता है।

मुझे बताया गया है कि विश्वविद्यालय में पीएचडी, स्नातकोत्तर में एमए, एम.एससी और स्नातक में बी.ए. और बी.एससी कार्यक्रम शामिल हैं। संस्थान में कुल 2311 शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। पीएचडी कार्यक्रम के अंतर्गत 10 विभागों में कुल 28 छात्र, स्नातकोत्तर के 13 विभागों में 632 विद्यार्थी और स्नातक के 15 विभागों में 1651 छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं।

यह जानकर और भी खुशी हुई कि विश्वविद्यालय अधिक से अधिक एसटी, एसी, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों का नामांकन कर रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, योग, कानून संकाय, सूचना प्रोद्योगिकी और अन्य रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रहा है।

देवियों और सज्जनों,

असम सरकार पिछले एक दशक से शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। सरकार ने राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण नीतियों और योजनाओं को गंभीरता से लिया है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि माधवदेव विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2022-23 में स्नातक कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने वाला राज्य का पहला विश्वविद्यालय है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत के युवाओं को समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत ने सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक शिक्षा विकास लक्ष्यों को अपनाया है।

मेरी आकांक्षा है कि माधव विश्वविद्यालय भी अपने सद्प्रयत्नों से सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी और एक ऐसी दुनिया का निर्माण करने में अपनी महती भूमिका निभाएगी जो भूख, गरीबी और मानवीय पीड़ा से मुक्त हो।

नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों में भारत के सभी युवाओं में सामाजिक, नैतिक और भावनात्मक क्षमता विकसित करना भी है। यह शिक्षा नीति पूरी भारतीय शिक्षा प्रणाली को उन्नत करने के लिए है, जिसमें शिक्षार्थी और शिक्षक दोनों शामिल हैं। यह शिक्षा नीति प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा विज्ञान को शिक्षा के क्षेत्र में अपनाकर इसमें और गुणवत्ता लाने का प्रयास करने पर जोर देती है।

इस शिक्षा नीति में ऐसी शिक्षा प्रणाली प्रदान करने की दृष्टि है, जो युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान कर उन्हें भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

शिक्षा नीति का उद्देश्य सार्वभौमिक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ-साथ मौलिक जिम्मेदारियों, संवैधानिक मूल्यों और अपने देश के साथ एक गहरा सम्बन्ध स्थापित करना भी है, जिसमें हमें भारतीयता और भारतीय होने का गर्व अनुभव हो।

मित्रों,

लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय सभी तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी कमियों को दूर करेगा और शिक्षा के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाता रहेगा।

अंत में मैं आशा करता हूं कि माधवदेव विश्वविद्यालय महापुरुष श्री श्री माधवदेव की शिक्षाओं का अनुशरण करते हुए शिक्षा प्रणाली और अनुसंधान गतिविधियों से राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देता रहेगा।

धन्यवाद !

जय हिन्द !